Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 24 अप्रैल, 2023

ब्लैक सी ग्रेन डील

गुरुप ऑफ सेवन (G7) के **कृषि मंत्रियों ने ब्लैक सी ग्रेन इनिशिएटिव (BSGI) डील के विस्तार और पूर्ण कार्यान्वयन हेतु एक आधिकारिक बयान जारी किया है** जिसके तहत यूक्रेन को अपने ब्लैक सी बंदरगाहों से 27 मिलियन टन से अधिक अनाज निर्यात करने की अनुमति प्राप्त होती है। यह **डील जुलाई 2022 में** संयुक्त राष्ट्र **और तुर्किये की मध्यस्थता** में गई थी लेकिन रूस (जिसने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था) ने अपनी अनाज और उर्वरक निर्यात की सुविधा को लेकर संकेत दिया कि **वह 18 मई, 2023 से आगे इस डील को जारी रखने की अनुमति नहीं देगा।** G7 मंत्रियों ने इस संदर्भ में रूस द्वारा समस्या पैदा करने के तरीके को अस्वीकार किया है। इन सभी ने यूक्रेन के पक्ष में रहने और उन लोगों की मदद करने पर बल दिया है जो रूस द्वारा की जाने वाली कार्रवाई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। G7 सदस्यों ने यूक्रेन में शांति बहाली और पुनर्निर्माण हेतु सहायता प्रदान करने पर बल दिया है जिसमें कृषि भूमि से संबंधित बुनियादी ढाँचे के पुनर्निर्माण में सहायता देना शामिल है।

और पढ़ें: ब्लैक सी ग्रेन पहल

बसव जयंती

प्रधानमंत्री ने बसव जयंती पर **जगद्गुरु बसवेश्वर** को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह **12वीं शताब्दी** के दौरान **शैव धर्म भक्ति आंदोलन में दार्शनिक, राजनेता, समाज सुधारक और संत** के सम्मान में मनाया जाने वाला त्योहार है। बसवेश्वर को उनकी शिक्षाओं जिसमें लैंगिक समानता, सामाजिक सुधार, सामाजिक भेदभाव के उन्मूलन, अंधविश्वास और अनावश्यक अनुष्ठानों के खिलाफ जागरूकता आदि शामिल हैं, के लिये जाना जाता है। **कर्नाटक राज्य** में लिंगायतों द्वारा **वैशाख महीने** के दौरान **शुक्ल पक्ष या शुक्ल पक्ष की तृतीया** को बसवेश्वर की जयंती के रूप में मनाया जाता है। बसवेश्वर ने **इष्टलिंग हार** पहनने की प्रथा आरंभ की **जो भगवान शिव का प्रतीक है** और इसे सभी **लिंगायतों** द्वारा पहना जाता है। बसव द्वारा स्थापित अनुभव मंतपा ने सामाजिक लोकतंत्र की नींव रखी।

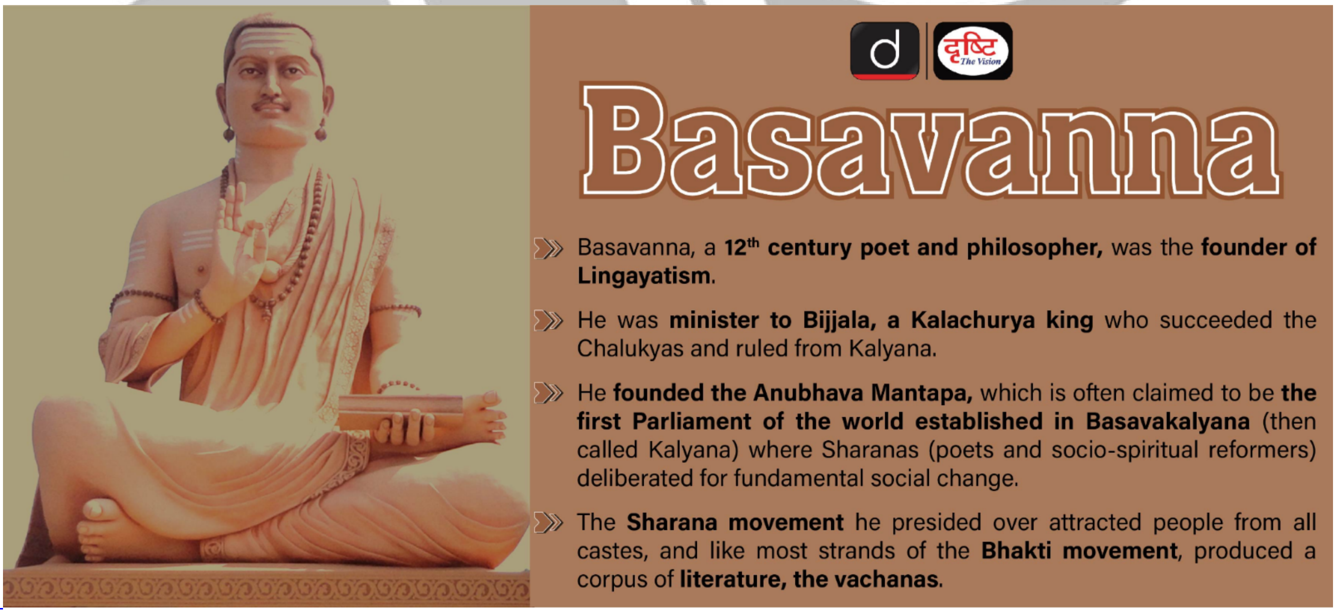

//

और पढ़ें... बसव जयंती

अर्थ डे

अर्थ डे पृथ्वी ग्रह और इसके पर्यावरण की रक्षा की आवश्यकता के संदर्भ में **जागरूकता उत्पन्न करने हेतु प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल** को मनाया जाने

वाला एक वार्षकि आयोजन है। संयुक्त राष्ट्र **ने वर्ष 2009 में 22 अप्रैल** को **'अंतर्राष्ट्रीय मातृ पृथ्वी दविस'** के रूप में मनाने की घोषणा की थी। ***????? ?? 2023 ?? ???? "?????? ????? ???? ?????? ?????" (Invest in our planet)" ??,*** जो व्यवसायों, नविशकों, वत्तिीय बाज़ारों एवं सरकारों से स्वस्थ तथा अधकि न्यायसंगत वैश्वकि प्रणाली के नर्िमाण का नेतृत्त्व करने का आह्वान करती है। नजिी क्षेत्र हरति नवाचार व प्रथाओं को बढ़ावा देने हेतु अपनी शक्त‍ि का उपयोग कर सकता है, जबक‍ि सरकार नागरकिों, व्यवसायों और संस्थानों को पर्यावरण संरक्षण की दशिा में काम करने के लयि प्रोत्साहति कर सकती है। नागरकि भी व्यक्तगित तौर पर पर्यावरण के अनुकूल व्यवसायों का समर्थन कर तथा पर्यावरण को प्राथमकिता देने वाले उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करके बदलाव कर सकते हैं। अर्थ डे पहली बार वर्ष **1970 में** स्मॉग, **प्रदूषति नदियों और** तेल रसिाव **जैसे मुद्दों के कारण होने वाले पर्यावरणीय क्षरण की प्रतक्रियिा के रूप में मनाया गया था।** वर्तमान में अर्थ डे वशि्व स्तर पर EARTHDAY.ORG द्वारा समन्वति है, जो एक गैर-लाभकारी संगठन है जसिे पहले अर्थ डे नेटवर्क के रूप में जाना जाता था। इसका उद्देश्य लोगों एवं ग्रह हेतु परविर्तनकारी प्रयास करके दुनिया के सबसे बड़े पर्यावरण आंदोलन का नर्िमाण करना है। **वर्ष 2016 में पृथ्वी दविस पर महत्त्वपूर्ण** पेरसि समझौते**,** जसिका उद्देश्य वैश्वकि ग्रीनहाउस उत्सर्जन को कम करना है, पर **हस्ताक्षर कयिे गए थे,** यह हमारे ग्रह हेतु सार्थक परविर्तन लाने में इस दनि के महत्त्व को प्रदर्शति करता है।
और पढ़ें...अर्थ डे

राष्ट्रीय पंचायती राज दविस

73वें संवैधानकि संशोधन के उपलक्ष्य में प्रतविर्ष **24 अप्रैल** को **राष्ट्रीय पंचायती राज दविस** मनाया जाता है, यह **वर्ष 1993** में उसी दनि लागू हुआ था जब **पंचायतों को भारत में स्थानीय स्वशासन के तीसरे स्तर के रूप में संवैधानकि दर्जा दयिा गया था।** हालाँक‍ि राजस्थान, आंध्र प्रदेश और पश्चमि बंगाल जैसे कुछ राज्यों ने पहले ही पंचायतों को स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के रूप में मान्यता दे दी थी, **73वें और 74वें संशोधनों** ने इसे एक अखलि भारतीय स्वरूप प्रदान कयिा। **महलिाओं के प्रतनिधित्वि में वृद्ध‍ि करने में पंचायती राज** अधकि सफल रहा है, **स्थानीय स्तर पर महलिाओं के लयि कुल सीटों का एक-तहिाई आरक्षति** है और **कुछ राज्य स्थानीय नकिाय चुनावों में महलिाओं को 50% आरक्षण** प्रदान करते हैं। स्थानीय स्तर पर महलिाओं के इस बढ़े हुए प्रतनिधित्वि के वभिन्नि नीतगित परणिाम सामने आए हैं, इसके अंतर्गत कई स्थानों पर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महलिाओं के लयि समुदाय आधारति कल्याण और वत्तिीय स्वतंत्रता हेतु खर्च में वृद्ध‍ि शामलि है। वभिन्नि राज्यों में स्थानीय सरकारी नकिायों को दी जाने वाली वत्तिीय स्वायत्तता के स्तर में काफी भन्निता है। **उदाहरण के लयि स्वायत्तता को सर्वोत्तम रूप से लागू करने वाले दो राज्य केरल और महाराष्ट्र हैं, जबक‍ि दो सबसे कम सफल राज्य ओडशिा और असम हैं।**
और पढ़ें... राष्ट्रीय पंचायती राज दविस**,** पंचायती राज संस्थान **(PRI)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-24-april-2023